दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स बिहार

नवंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

बिहार **3**

- 'वैक्सीन मित्र' चैटबोट 3
- पब्लिक अपेयर्स इंडेक्स, 2021 3
- पटना में कोरोना वैक्सीन लगवाने वाले को मिलेगा इनाम 4
- 6वाँ अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन 4
- बिहार की 8 हस्तियों को मिला पद्म पुरस्कार 5
- बिहार के 5 हस्तियों को मिला पद्म पुरस्कार, 2021 5
- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद शिक्षा पुरस्कार-2021 6
- स्कॉच गवर्नेंस गोल्ड अवॉर्ड 6
- असर (ASER) रिपोर्ट 6
- बिहार एथलेटिक्स मीट 7
- लोगों की शिकायत सुनने में किशनगंज ज़िला अव्वल 7
- स्वच्छ सर्वेक्षण, 2021 8
- बिहार को मिला नया एक्सप्रेस-वे 8
- राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 : बिहार में लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार 9
- एस.डी.जी. शहरी सूचकांक, 2021 में पटना का खराब प्रदर्शन 9
- बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 के अनुसार बिहार देश का सबसे गरीब राज्य 10
- 40वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में बिहार पवेलियन ने जीता स्वर्ण पदक 10
- मुख्यमंत्री द्वार NTPC बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्टेज-1 की इकाई-1 का लोकार्पण 11

नोट :

बिहार

'वैक्सीन मित्र' चैटबोट

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय द्वारा कोविड-19 टीकाकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'वैक्सीन मित्र' चैटबोट लॉन्च किया गया।

प्रमुख बिंदु

- बिहार सरकार ने यह चैटबोट मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ह्वाट्सएप के साथ मिलकर लॉन्च किया है।
- यह ह्वाट्सएप एपीआई प्लेटफॉर्म की नवीनतम सहज क्षमताओं के साथ बनाया गया है, जो उपयोगकर्त्ताओं को त्वरित उत्तर चुनने में सक्षम बनाता है।
- यह अंग्रेजी तथा हिन्दी दोनों भाषाओं में जानकारी उपलब्ध कराने में सक्षम है।
- यह टीकों के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद करता है तथा निकटतम टीकाकरण केंद्र की जानकारी उपलब्ध कराता है।
- इस चैटबोट का प्रयोग करने के लिये ह्वाट्सएप प्रयोगकर्त्ता को 9431025555 पर 'हाय' (Hi) लिखकर भेजना होता है।

पब्लिक अपेयर्स इंडेक्स, 2021

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जारी की गई पब्लिक अपेयर्स इंडेक्स, 2021 में विकास/वृद्धि स्तंभ में बड़े राज्यों की श्रेणी में बिहार को अंतिम स्थान प्राप्त हुआ।

प्रमुख बिंदु

- पब्लिक अपेयर्स इंडेक्स, बंगलुरू आधारित थिंक टैंक 'पब्लिक अपेयर्स सेंटर' द्वारा जारी किया जाता है।
- पब्लिक अपेयर्स इंडेक्स की गणना तीन आधारभूत स्तंभों- इक्विटी, विकास/वृद्धि तथा संधारणीयता के आधार पर की गई है।
- इस सूचकांक में इक्विटी स्तंभ में बड़े राज्यों की सूची में बिहार को 12वाँ स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि गुजरात प्रथम एवं उत्तर प्रदेश अंतिम पायदान पर हैं।
- विकास/वृद्धि स्तंभ में बड़े राज्यों की श्रेणी में बिहार को अंतिम स्थान (18वाँ) प्राप्त हुआ है, जबकि प्रथम स्थान पर तेलंगाना है।
- संधारणीयता स्तंभ में बिहार को बड़े राज्यों की श्रेणी में 17वाँ स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि उत्तर प्रदेश को 18वाँ (अंतिम) स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं केरल प्रथम पायदान पर है।
- समग्र (ओवर ऑल) रैंकिंग में केरल को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है तथा तमिलनाडु द्वितीय स्थान पर है। बिहार एवं उत्तर प्रदेश सबसे अंतिम पायदान पर हैं।

नोट :

पटना में कोरोना वैक्सीन लगवाने वाले को मिलेगा इनाम

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में पटना, ज़िला प्रशासन ने लोगों को इनाम देने के माध्यम से कोविड-19 टीकाकरण की रफ्तार तेज़ करने के लिये लकी ड्रॉ आयोजित करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- कोविड-19 टीके की दूसरी डोज़ को बढ़ावा देने के लिये पटना ज़िला प्रशासन यह ड्रॉ आयोजित कर रहा है।
- ज़िले के प्रतिभागी 8 नवंबर से 26 नवंबर के बीच कोविड-19 की दूसरी डोज लेकर इस लकी ड्रॉ में शामिल हो सकते हैं।
- इस लकी ड्रॉ का परिणाम 28 नवंबर, 2021 को घोषित किया जाएगा, जिसके तहत पुरस्कार निम्नवत् हैं-
  - प्रथम पुरस्कार- बजाज पल्सर बाइक/होंडा एक्टिवा
  - द्वितीय पुरस्कार- 32 इंच की एलइडी टीवी
  - तृतीय पुरस्कार- एंड्रॉयड मोबाइल फोन
  - सांत्वना पुरस्कार- प्रेशर कुकर
- लकी ड्रॉ में शामिल होने के लिये प्रतिभागी को अधिकृत कोविड वैक्सीनेशन केंद्र के माध्यम से टीका लेने के साथ-साथ लकी ड्रा के लिये अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर रजिस्टर कराना होगा तथा वैध पहचान-पत्र के रूप में पासपोर्ट/आधार/पैन/ वोटर आइडी कार्ड/ ड्राइविंग लाइसेंस की कॉपी देनी होगी।

6वाँ अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

- 7 नवंबर, 2021 को बिहार के नालंदा ज़िले के राजगीर में अवस्थित नालंदा विश्वविद्यालय में 6वें अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के द्वारा किया गया।

प्रमुख बिंदु

- 7 से 9 नवंबर, 2021 तक चलने वाले इस सम्मेलन का आयोजन नालंदा विश्वविद्यालय में नालंदा विश्वविद्यालय एवं इंडिया फाउंडेशन के द्वारा किया जा रहा है।
- इस सम्मेलन की थीम है- 'कोविड संक्रमण के बाद विश्वव्यवस्था के निर्माण में धर्म-धम्म परंपराएँ'।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य उभरती हुई नई विश्वव्यवस्था के लिये एक दार्शनिक ढाँचे के निर्माण पर विचार करने हेतु धर्म-धम्म परंपराओं के धार्मिक, राजनीतिक और विचारशील नेताओं को एक साथ लाना है।
- उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'शेयर एंड केयर' भारतीय दर्शन का मूल तत्त्व है तथा भारत विजेता बनने को नहीं, बल्कि ज्ञान बाँटने को लेकर विश्व गुरु बना था, जिसमें प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।
- विदित हो कि प्रथम अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन 22-23 सितंबर, 2012 को साँची विश्वविद्यालय (मध्य प्रदेश) में किया गया था। वहीं 5वें सम्मेलन का आयोजन 27-28 जुलाई, 2019 को राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में किया गया था।
- विदित हो कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्त शासक कुमारगुप्त के द्वारा की गई थी, जिसका बख्तियार खिलज़ी नामक आक्रमणकारी द्वारा विध्वंस करा दिया गया था। वर्तमान में नालंदा ज़िले में इसका भग्नावशेष स्थित है।

नोट :

बिहार की 8 हस्तियों को मिला पद्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा बिहार की 8 हस्तियों को वर्ष 2020 के लिये घोषित पद्म पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2020 के लिये बिहार की एक शख्सियत को पद्म विभूषण एवं 7 लोगों को पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया।
- पूर्व रक्षामंत्री जॉर्ज फर्नांडिस को मरणोपरांत सार्वजनिक मामले के क्षेत्र में उनकी सेवा के लिये पद्म विभूषण पुरस्कार दिया गया।
- वहीं निम्नलिखित सात हस्तियों को पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया-
  - श्री सुजॉय कुमार गुहा (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में)
  - श्री बिमल कुमार जैन (सामाजिक कार्य के क्षेत्र में)
  - श्रीमति शांति जैन (कला के क्षेत्र में)
  - डॉ. शांति रॉय (चिकित्सा के क्षेत्र में)
  - श्री श्यामसुंदर शर्मा (कला के क्षेत्र में)
  - श्री रामजी सिंह (सामाजिक कार्य के क्षेत्र में)
  - श्री वशिष्ट नारायण सिंह (मरणोपरांत) (विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में)
- वर्ष 2020 के लिये कुल 141 पुरस्कार प्रदान किये गए हैं, जिनमें कुल 7 पद्म विभूषण, 16 पद्म भूषण एवं 118 पद्म श्री शामिल हैं।

बिहार के 5 हस्तियों को मिला पद्म पुरस्कार, 2021

चर्चा में क्यों ?

- 9 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने बिहार के 5 हस्तियों को वर्ष 2021 के लिये घोषित पद्म पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2021 के लिये श्री रामविलास पासवान को मरणोपरांत सार्वजनिक मामलों में उनके कार्यों के लिये वर्ष 2021 का पद्म भूषण अवार्ड प्रदान किया गया।
- वहीं निम्नलिखित 4 हस्तियों को पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया-
  - श्रीमती दुलारी देवी (कला के क्षेत्र में)
  - श्री रामचंद्र मांझी (कला के क्षेत्र में)
  - डॉ. दिलीप कुमार सिंह (चिकित्सा के क्षेत्र में)
  - श्रीमती मृदुला सिन्हा (मरणोपरांत)- साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में।
- विदित हो कि 8 नवंबर को वर्ष 2020 के लिये बिहार के कुल 8 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- वहीं वर्ष 2021 के लिये देश की कुल 119 हस्तियों को पद्म पुरस्कार [पद्मविभूषण (07), पद्मभूषण (10) एवं पद्मश्री (102)] प्रदान किया गया जिसमें बिहार के कुल 5 हस्तियाँ शामिल हैं।
- ध्यातव्य है कि इन पुरस्कारों की घोषणा 25 जनवरी 2021 को ही किया गया था किंतु कोविड संक्रमण के कारण इसे अब तक प्रदान नहीं किया जा सका था।

नोट :

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद शिक्षा पुरस्कार-2021

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा दिवस के अवसर पर अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुसहर बच्चों के लिये काम करने वाले डॉ. शंकर नाथ झा को शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 'मौलाना अबुल कलाम आज़ाद शिक्षा पुरस्कार-2021' से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. शंकर नाथ झा जमुई में 56 केंद्र चला रहे हैं, जिनमें 5500 मुसहर बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।
- इनके प्रयास से पाँच बच्चे राष्ट्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता में शामिल हुए और 25 बच्चों ने सरकारी नौकरी प्राप्त की। 450 बच्चों का बाल-विवाह होने से बचाया। 950 बाल श्रमिकों को विद्यालय में नामांकित कराया।
- वर्ष 1981 से 2019 तक ये राज्य सरकार में चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर थे, लेकिन स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद उन्होंने मुसहर समाज के बच्चों के लिये काम करना शुरू किया।

स्कॉच गवर्नेंस गोल्ड अवॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में वर्चुअल रूप से आयोजित 75 वें स्कॉच (Skoch) सम्मेलन में बिहार को स्कॉच गवर्नेंच गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन चल रही मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना को स्कॉच संस्थान द्वारा रजत पुरस्कार प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार को यह अवॉर्ड लोक सेवाओं की ऑनलाइन प्रदायगी और ई. गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिये प्रदान किया गया है।
- 'बिहार ई-लोक सेवा'के रूप में अपनाए गए नवाचार की अनूठी पहल का कार्यान्वयन के लिये बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन को यह अवॉर्ड दिया गया है।
- विदित हो कि बिहार सरकार द्वारा अपने नागरिकों को नियत समय में लोक सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15 अगस्त, 2011 को बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम लागू किया था।
- स्कॉच अवॉर्ड डिजिटल, वित्तीय और सामाजिक समावेशन के सर्वोत्तम प्रयासों के लिये 'स्कॉच ग्रुप'के द्वारा प्रदान किया जाता है।
- इसके तहत सर्वोत्तम शासन, समावेशी विकास, प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों में उत्कृष्टता, परिवर्तन प्रबंधन, कॉर्पोरेट नेतृत्व, कॉर्पोरेट प्रशासन, नागरिक सेवा वितरण, क्षमता निर्माण और सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को शामिल किया जाता है।

असर (ASER) रिपोर्ट

चर्चा में क्यों ?

17 नवंबर, 2021 को 16वीं ऐन्यूअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (ग्रामीण) 2021 जारी की गई। इसके अनुसार बिहार के सरकारी विद्यालयों में नामांकन में वृद्धि हुई है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार, बिहार के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले 6-14 वर्ष आयु समूह के बच्चों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 3.6% की वद्धि हुई है।
- 2020 में बिहार के सरकारी विद्यालयों में नामित बच्चों (6-14 वर्ष) की संख्या 76.9 प्रतिशत थी।

नोट :

- बिहार के सरकारी विद्यालय में 78.2 प्रतिशत लड़के (6-14 वर्ष आयु समूह) एवं 82.9 प्रतिशत लड़कियाँ (6-14 वर्ष आयु समूह) नामांकित हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 67.9 प्रतिशत लड़के एवं 73 प्रतिशत लड़कियाँ ही सरकारी विद्यालयों में नामांकित हैं, शेष का निजी विद्यालयों में नामांकन है।
- रिपोर्ट के अनुसार, बिहार के 73.5 प्रतिशत नामांकित विद्यार्थी ट्यूशन लेते हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 39.2 प्रतिशत है।
- वर्ष 2021 में बिहार के वैसे नामांकित विद्यार्थी, जिनके घरों में स्मार्टफोन है, की संख्या 54.5 प्रतिशत हो गई है, जो वर्ष 2018 में मात्र 27.2 प्रतिशत थी। यह कोविड दौर में ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा मिलने के कारण संभव हुआ है।
- स्मार्टफोन की उपलब्धता के मामले में यद्यपि बिहार अभी भी सबसे निचले पायदान पर है। 97.5 प्रतिशत स्मार्टफोन उपलब्धता के साथ केरल जहाँ प्रथम स्थान पर है, वहीं राष्ट्रीय औसत भी 67.6 प्रतिशत है, जो बिहार की अपेक्षा काफी अधिक है।
- घरों पर स्मार्टफोन उपलब्ध होने के बावजूद भी बिहार के 53.8 प्रतिशत नामांकित विद्यार्थियों को पढ़ाई करने के लिये स्मार्टफोन नहीं मिल पा रहा है जो देश में सर्वाधिक है तथा यह एक बड़ी चिंता का कारण बना हुआ है।
- बिहार के 89.4 प्रतिशत नामांकित बच्चों के पास उनके ग्रेड की पुस्तकें उपलब्ध हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 91.9 प्रतिशत है।
- रिपोर्ट के अनुसार, 6-14 वर्ष की आयु समूह में बिहार के 6.7 प्रतिशत बच्चे अभी भी अनामांकित हैं, जिनमें 7.1 प्रतिशत लड़के एवं 4.7 प्रतिशत लड़कियाँ शामिल हैं। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर 4.6 प्रतिशत बच्चे अनामांकित हैं।
- रिपोर्ट से स्पष्ट है कि बिहार के मात्र 10 प्रतिशत नामांकित विद्यार्थी ही घरों से ऑनलाइन पढ़ाई कर पा रहे हैं, जबकि केरल में यह 91 प्रतिशत है, वहीं राष्ट्रीय औसत भी बिहार से काफी अधिक 24.2 प्रतिशत है।
- विदित हो कि शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (ASER) एन.जी.ओ 'प्रथम' द्वारा जारी की जाती है, जो ग्रामीण भारत के बच्चों की स्कूली शिक्षा की स्थिति एवं बुनियादी पढ़ने और गणित की क्षमता पर आँकड़े प्रस्तुत करती है।
- कोविड-19 महामारी के कारण असर (ASER) 2021 एक फोन आधारित सर्वेक्षण के आधार पर तैयार किया गया है।

बिहार एथलेटिक्स मीट

चर्चा में क्यों ?

- 15 से 17 नवंबर 2021 को आयोजित बिहार एथलेटिक्स मीट का खिताब रोहतास की टीम ने जीत लिया है।

प्रमुख बिंदु

- एल.एस. कॉलेज, मुज़फ्फरपुर में आयोजित 87वीं बिहार जूनियर व सीनियर एथलेटिक्स मीट का ओवरऑल खिताब रोहतास की टीम ने जीता है। वहीं मुज़फ्फरपुर की टीम ने ओवरऑल रनरअप खिताब हासिल किया है।
- पुरुष वर्ग में 15 अंकों के साथ मुज़फ्फरपुर की टीम जहाँ विजेता बनी, वहीं 10 अंकों के साथ भागलपुर की टीम उपविजेता रही।
- महिला वर्ग में 13 अंकों के साथ पटना की टीम विजेता बनी, तथा 6 अंकों के साथ नवादा की टीम उपविजेता रही।
- बालकों के अंडर-14 समूह में रोहतास की टीम विजेता बनी, जबकि जमुई की टीम उपविजेता रही।

लोगों की शिकायत सुनने में किशनगंज ज़िला अव्वल

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसायटी ने लोगों की शिकायतों पर हुई कार्यवाही के मामले को लेकर ज़िलों की रैंकिंग जारी की है, जिसमें किशनगंज ज़िले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- यह रैंकिंग लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत राज्य के तमाम ज़िलों की समीक्षा करके जारी की गई है।
- इस रैंकिंग में किशनगंज ज़िला ने 86 फीसदी अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- कुल 77 अंकों के साथ गया ज़िला दूसरे स्थान पर है, जबकि वैशाली ज़िला 75 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर है।
- सुपौल का चौथा स्थान एवं लखीसराय को पाँचवा स्थान प्राप्त हुआ है, वहीं राज्य की राजधानी पटना को 10वीं रैंक प्राप्त हुई है।
- पश्चिमी चंपारण ज़िला इस रैंकिंग में सबसे निम्नतम स्थान (38वीं रैंक) पर है। यहाँ प्राप्त हुई कुल शिकायतों में से 60 प्रतिशत से भी अधिक लंबित हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण, 2021

चर्चा में क्यों ?

- 20 नवंबर, 2021 को आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा जारी की गई स्वच्छ सर्वेक्षण, 2021 की राज्यों की रैंकिंग में बिहार को 17वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- इस रैंकिंग में बिहार को नागालैंड के साथ संयुक्त रूप से 17वाँ स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष इसे 24वाँ स्थान प्राप्त हुआ था।
- राज्यों की रैंकिंग में छत्तीसगढ़ प्रथम एवं पश्चिम बंगाल अंतिम स्थान (28वाँ) पर हैं।
- वहीं 10 लाख से ज़्यादा की आबादी वाले शहरों की सूची में कुल 48 शहरों में राज्य की राजधानी पटना को 44वीं रैंक प्राप्त हुई है, जबकि पिछली बार इसे 47वीं रैंक (अंतिम) प्राप्त हुई थी।
- 50 हज़ार से 1 लाख की आबादी वाले शहरों की सिटीज़न फीडबैक कैटेगरी में बिहार के सुपौल को देश भर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।
- गंगा किनारे के 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की सूची में मुंगेर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, जबकि राजधानी पटना तीसरे स्थान पर है।
- गंगा किनारे एक लाख से कम आबादी वाले शहरों की सूची में सोनपुर को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है।
- विदित हो कि मध्य प्रदेश में इंदौर शहर लगातार 5वीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है।

बिहार को मिला नया एक्सप्रेस-वे

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्र सरकार ने गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक एक नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है, जिसका अधिकतर हिस्सा उत्तर बिहार के विभिन्न ज़िलों से गुज़रेगा।

प्रमुख बिंदु

- यह एक्सप्रेस-वे बिहार के गोपालगंज, सीवान, सारण, मुज़फ्फरपुर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, पूर्णिया एवं किशनगंज ज़िले से गुज़रेगा।
- इसकी बिहार में कुल लंबाई लगभग 416 किमी. होगी।
- इस एक्सप्रेस-वे का संपूर्ण हिस्सा ग्रीनफील्ड होगा।
- इस एक्सप्रेस-वे को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर आज़मगढ़ लिंग एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा, जिससे उत्तर प्रदेश एवं बिहार के बीच आवागमन द्रुत एवं सरल हो जाएगा।

नोट :

- इसके सहारे उत्तरी बिहार, बंगाल एवं उत्तर प्रदेश के बीच व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिसका लाभ उत्तरी बिहार के लोगों को प्राप्त होगा

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 : बिहार में लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार

चर्चा में क्यों ?

- 24 नवंबर, 2021 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के द्वारा जारी राष्ट्रीय पारिवारिक सर्वेक्षण-5 के अनुसार बिहार के लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह 2015-16 के सर्वेक्षण (NHFS-4) के 1062 से बढ़कर 1090 हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार में लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) बढ़कर 1090 हो गया है, जो पिछले सर्वेक्षण (NFHS-4 2016-16) में 1062 था।
- बिहार के शहरी क्षेत्रों का लिंगानुपात जहाँ केवल 982 है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों का लिंगानुपात 1111 है।
- सर्वेक्षण के अनुसार, बिहार के 15-49 आयु वर्ग की महिलाओं में साक्षरता दर केवल 55 प्रतिशत है, जो चिंता का कारण बना हुआ है।
- बिहार में शिशु मृत्यु दर पिछले सर्वेक्षण के 48.1 से घटकर 46.8 (प्रति हज़ार) हो गया है।
- बिहार में परिवार नियोजन के मामले में जबरदस्त सुधार हुआ है। NFHS-4 के अनुसार बिहार के 15-49 वर्ष आयु श्रेणी की महिलाओं में केवल 24.1 प्रतिशत महिलाओं ने परिवार नियोजन किया था, जो NFHS-5 में बढ़कर 55.8 प्रतिशत हो गया है।
- वहीं बिहार के 15-49 वर्ष की 63.5 प्रतिशत महिलाएँ एनिमिया की शिकार हैं, जो पिछले सर्वेक्षण में 60.3 प्रतिशत थी।
- बिहार में कुल प्रजनन दर भी पिछले सर्वेक्षण के 3.4 से घटकर 3.0 (बच्चे/स्त्री) हो गई है।

एस.डी.जी. शहरी सूचकांक, 2021 में पटना का खराब प्रदर्शन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में 'नीति आयोग' के द्वारा सतत् विकास लक्ष्य (SDG) शहरी सूचकांक जारी किया गया, जिसमें बिहार की राजधानी पटना का प्रदर्शन निराशाजनक है। पटना को 56 शहरों में 52वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। इसमें पटना को परफॉर्मर श्रेणी (50-64) में रखा गया है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा प्रथम बार इस प्रकार के सतत् विकास लक्ष्य के अंतर्गत शहरी इंडेक्स जारी किया गया है।
- इंडेक्स में देश के 56 नगरीय क्षेत्रों को 77 सूचकांकों में प्राप्त की गई प्रगति के आधार पर रैंकिंग दी गई है, जिसमें सर्वाधिक 75.5 अंक प्राप्त कर शिमला प्रथम रैंक पर है। इस सूचकांक में पटना को कुल 57.29 स्कोर प्राप्त हुआ है।
- इस सूचकांक में शहरों को कुल 4 श्रेणियों में बाँटा गया है- (I) अचीवर (100 अंक), (II) फ्रंट रनर (65-99 अंक), (III) परफॉर्मर (50-64 अंक) तथा (IV) एसपीरेंट (0-49 अंक)।
- सतत विकास लक्ष्य (SDG) - 1 (शून्य गरीबी) की प्राप्ति के मामले में पटना को केवल 45 स्कोर प्राप्त हुआ है। जबकि एसडीजी लक्ष्य 8 को प्राप्त करने के मामले में पटना ने सबसे खराब प्रदर्शन किया है। इसमें पटना का स्कोर केवल 17 है।
- एसडीजी-12 (सतत् उपभोग एवं उत्पादन प्रतिरूप सुनिश्चित करना) को प्राप्त करने के मामले में पटना ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 100 स्कोर प्राप्त किया है।
- गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सतत् विकास को सुनिश्चित करने हेतु 17 एसडीजी लक्ष्य निर्धारित किये गए है। एसडीजी के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु देश तथा राज्य प्रतिबद्ध हैं।

नोट :

बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 के अनुसार बिहार देश का सबसे गरीब राज्य

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 में बिहार को देश का सबसे गरीब राज्य बताया गया है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार, बिहार की 51.91 प्रतिशत जनसंख्या गरीब है। वहीं केरल देश का न्यूनतम गरीब राज्य है, यहाँ की केवल 0.71 प्रतिशत जनसंख्या ही गरीब है।
- बिहार की 51.88 प्रतिशत जनसंख्या (देश में सर्वाधिक) कुपोषण की शिकार है, वहीं सिक्किम देश का सबसे कम कुपोषित राज्य है।
- रिपोर्ट के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (2015-16) के आँकड़ों के अनुसार बिहार की 39.86 प्रतिशत जनसंख्या बिजली की पहुँच से दूर थी, जबकि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-20) के अनंतिम आँकड़ों के अनुसार बिहार की मात्र 3.7 प्रतिशत जनसंख्या ही बिजली की पहुँच से दूर है, जो बिजली के क्षेत्र में बिहार की उल्लेखनीय प्रगति को प्रदर्शित करता है।
- इस बहुआयामी सूचकांक में बिहार को 0.265 स्कोर प्राप्त हुआ है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों का एमपीआई स्कोर 0.286 एवं शहरी क्षेत्रों का एमपीआई स्कोर 0.117 है, जो बताता है कि बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक गरीबी है।
- किशनगंज बिहार का सबसे गरीब ज़िला है, जहाँ की 64.75 प्रतिशत जनसंख्या गरीब है। वहीं अररिया (64.65 प्रतिशत), मधेपुरा (64.35 प्रतिशत), पूर्वी चंपारण (64.13 प्रतिशत) एवं सुपौल (64.10 प्रतिशत) सर्वाधिक गरीब ज़िले हैं।
- पटना बिहार का सबसे कम गरीब ज़िला है जहाँ की सिर्फ 29.20 प्रतिशत जनसंख्या ही गरीब है। वहीं भोजपुर (40.50 प्रतिशत), सिवान (40.55 प्रतिशत), रोहतास (40.74 प्रतिशत) एवं मुंगेर (40.99 प्रतिशत) बिहार के सबसे कम गरीब ज़िले हैं।

40वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में बिहार पवेलियन ने जीता स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

- 27 नवंबर, 2021 को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के समापन अवसर पर केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मेले में बेहतर प्रदर्शन कर लोगों को आकर्षित करने वाले पैवेलियन व कलाकारों को छह श्रेणियों में सम्मानित किया। 24 राज्यों की प्रदर्शनी के बीच बिहार राज्य के पवेलियन ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही पार्टनर स्टेट के तौर पर भी बिहार को स्वर्ण पदक मिला है। फोकस राज्य के तौर पर उत्तर प्रदेश व झारखंड को स्वर्ण मिला है। राज्यों के पवेलियन में असम के पवेलियन को रजत और केरल को कांस्य पदक मिला। विशेष प्रोत्साहन के तौर पर मध्य प्रदेश राज्य के पवेलियन को सम्मानित किया गया।
- बिहार की तरफ से ये पुरस्कार रेजिडेंट कमिश्नर पलका साहनी और उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान के निदेशक अशोक सिन्हा ने ग्रहण किया।
- बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार के हस्तशिल्पियों और बुनकरों द्वारा बनाई गई चीज़ें कारीगरी, सौंदर्य एवं गुणवत्ता में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हैं, जिन्हें देश-विदेश के लोगों ने खूब पसंद किया।
- उन्होंने कहा कि बिहार पवेलियन को मिला गोल्ड पुरस्कार न सिर्फ बिहार का सम्मान है, बल्कि इससे बिहार के हस्तशिल्पियों और बुनकरों को प्रोत्साहन मिला है।
- गौरतलब है कि बिहार ने अपने पवेलियन में 41 स्टॉल्स सजाए थे, जिनमें सुप्रसिद्ध लोक कलाकार पँश्री दुलारी देवी की मधुबनी पेंटिंग की जीवंत प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। बिहार के अन्य हिस्सों में बनने वाली लोक कलाकृतियाँ और बिहार के पारंपरिक उद्योगों द्वारा निर्मित चीज़ें भी लोगों को खूब पसंद आईं।

नोट :

- उल्लेखनीय है कि दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 से 27 नवंबर , 2021 तक 40वाँ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में 24 राज्यों की प्रदर्शनी लगी थी। कुछ प्रदर्शनी विदेशों से भी थीं।
- इस मेले का आयोजन प्रत्येक वर्ष 14 दिनों (14 नवंबर से 27 नवंबर) तक किया जाता है। यह शुरू के कुछ दिन व्यापारियों के लिये बाकी दिनों आम लोगों हेतु खुला होता है। इस मेले में भारत के सभी राज्य हिस्सा लेते हैं और अपने-अपने राज्यों की प्रगति, संस्कृति, पर्यटक स्थल और व्यापार के बारे में जानकारी देते हैं।
- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का पहला आयोजन 1979 में किया गया था। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला निर्माताओं, व्यापारियों, निर्यातकों और आयातकों के लिये एक साझा मंच प्रदान करता है।
- इस मेले का आयोजन भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की व्यापार संवर्धन एजेंसी द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

मुख्यमंत्री द्वार NTPC बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्टेज-1 की इकाई-1 का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा NTPC बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के स्टेज-1 की इकाई-1 का लोकार्पण किया गया।

प्रमुख बिंदु

- लोकार्पण के अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष NTPC बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री के द्वारा NTPC बाढ़ के प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया।
- विदित हो कि NTPC बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के तहत 660 मेगावाट की 3 यूनिट की स्थापना करने का निर्णय ऊर्जा विभाग के द्वारा लिया गया था, जिसमें पहली यूनिट ने उत्पादन प्रारंभ कर दिया है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरी यूनिट से उत्पादन वर्ष 2022 तक एवं तीसरी यूनिट में 2023 तक प्रारंभ किया जाएगा।

नोट :